तापमान
अधिकतम 41.3 डिग्री
न्यूनतम 22.4 डिग्री

हरिभूमि
# रोहतक भूमि
रोहतक, बुधवार 29 अप्रैल 2026

**शहर में आज**

- मांगों को लेकर बिजली कर्मियों का धरना
- स्कूली नेशनल क्रिकेट खेल स्पर्धा आज से
- रोडवेज कर्मियों का मांगों को लेकर बैठक
- दमकल विभाग के कर्मचारियों का मांगों को लेकर धरना जारी

**खबर संक्षेप**

### खेड़ी साध गांव में 20 एकड़ में फाने जले

**रोहतक।** खेड़ी साध गांव में मंगलवार दोपहर अचानक लगी आग से करीब 20 एकड़ के फाने जल गए। खेतों से उठता धुआं और लपटों की तेज रफ्तार ने आसपास के किसानों में अफरा-तफरी मचा दी। आग लगने की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी गई, लेकिन काफी देर तक कोई टीम मौके पर नहीं पहुंची। ऐसे में किसानों और गांव के लोगों ने अपने स्तर पर ट्रैक्टर, पानी के टैंकर और मिट्टी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक बड़ा नुकसान हो चुका था। किसानों का कहना है कि यदि फायर ब्रिगेड समय पर पहुंच जाती तो नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता था। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

### बुजुर्ग से 78 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी

**महम।** कस्बा महम में एक बुजुर्ग व्यक्ति के साथ 78 हजार रुपये की ऑन लाइन ठगी का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस को दी शिकायत में महम के वार्ड 13 निवासी 58 वर्षीय तिलक राज पुत्र सीता राम ने बताया कि उसका फोन अपने आप रीसेट हो गया। जब फोन रीसेट होने के बाद उसने मोबाइल फोन ऑन किया तो उसके पीएनबी बचत खाता से और एसबीआई क्रेडि कार्ड से 78 हजार रुपये का फ्रॉड हो गया। जांच के बाद पता चला कि इन पैसों से ऑन लाइन शॉपिंग की गई है। एमेजोन एप के जरिए इनमें से तनिष्क शॉपिंग एप के 3 कॉयन गिफ्ट कार्ड खरीदे गए हैं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

### गेहूं की फसल काटने का आरोप, पूर्व सरपंच पर केस

**महम।** निंदाना गांव के एक व्यक्ति ने गांव के पूर्व सरपंच के खिलाफ महम थाने में शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में निंदाना तिगरी गांव निवासी अजमेर पुत्र दिलबाग ने बताया कि गांव में एचपी पेट्रोल पंप के पास खेतों की ओर एक रास्ता जाता है। जहां उसने करीब एक एकड़ जमीन राजवंती पत्नी धर्मबीर से ठेके पर लिया हुआ है। गत दिवस शाम साढ़े 7 बजे वह खेत से अपने घर चला गया। सुबह 8 बजे खेत में आकर देखा तो उसकी गेहूं की फसल कटी हुई थी। इस बारे में उसने तसल्ली की तो पता चला कि गांव का पूर्व सरपंच नरेश उर्फ गटरा रात को उसकी गेहूं की फसल को काटकर ले गया। उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस ने नरेश उर्फ गटरा के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पूर्व सरपंच नरेश से बातचीत की गई तो उसने बताया कि यह साझे की खेवट का मामला है।

## पीजीआई में 10 घंटे चले ऑपरेशन के बाद दो मरीजों की आंखों की लौटी रोशनी

# हर्ष की आंखों से दो लोग देखेंगे दुनिया कुल छह लोगों को दे गया नई जिंदगी

## हर्ष के परिजनों ने समाज में मिसाल पेश की

***एक किडनी पंचकूला, लीवर दिल्ली और अन्य अंग रोहतक में किए ट्रांसप्लांट***

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

मानवता और अंगदान की मिसाल बने 16 वर्षीय किशोर हर्ष ने मृत्यु के बाद भी छह लोगों को नई जिंदगी देकर एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। उसकी किडनी और लीवर पहले ही प्रत्यारोपित किए जा चुके थे, वहीं मंगलवार को उसकी दोनों आंखों का सफल प्रत्यारोपण किया गया। इसके बाद अब दो लोग हर्ष की आंखों से दुनिया देख सकेंगे। खास बात यह है कि दोनों मरीज कई वर्षों से आंखों के इंतजार में थे। पीजीआईएमएस नेत्र विभाग में करीब 10 घंटे तक चले जटिल ऑपरेशन के बाद दोनों कॉर्निया ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक पूरे किए गए। नेत्र विभाग के एचओडी डॉ. आरएस चौहान ने बताया कि 47 वर्षीय एक मरीज करीब 25 साल पहले हुए हादसे के बाद दृष्टिहीन हो गया था। आईड्रॉप डालते समय आंख में चोट लगने से उसकी दोनों आंखों में गंभीर संक्रमण हो गया था, जिससे सफेद मोतियाबिंद भी विकसित हो गया। इस मरीज की ट्रिपल सर्जरी की गई, जिसके बाद उसे अब फिर से रोशनी मिल सकी है। दूसरा मरीज 62 वर्षीय व्यक्ति है, जिसकी एक आंख पूरी तरह खराब हो चुकी थी और दूसरी आंख भी चोट के कारण प्रभावित थी। वह पिछले तीन वर्षों से कॉर्निया ट्रांसप्लांट के लिए वेटिंग लिस्ट में था। हर्ष की आंखों के दान से उसका भी सफल ऑपरेशन किया गया और अब उसे भी नई दृष्टि मिलने की उम्मीद जगी है।

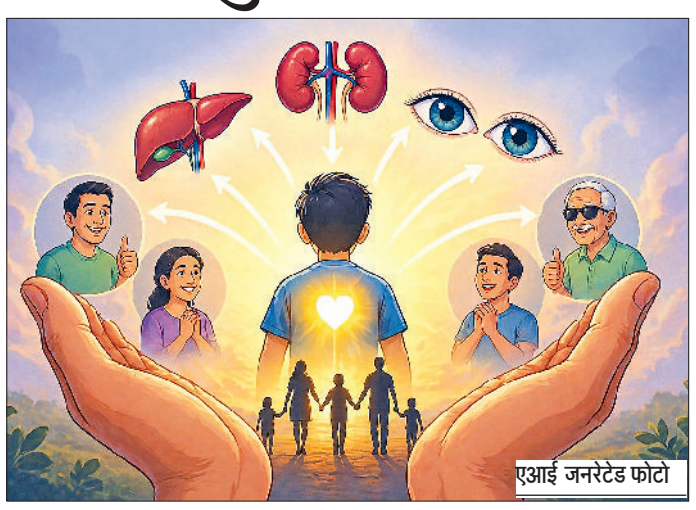
एआई जनरेटेड फोटो

किशोर हर्ष, जिनके अंग दान किए गए

### अंगदान से समाज को मानवता का संदेश दिया

पीजीआईएमएस के कुलपति डॉ एचके अग्रवाल ने बताया कि हर्ष के शरीर से दो कॉर्निया, दो किडनी और दो लीवर सफलतापूर्वक निकाले और प्रत्यारोपित किए गए। मंगलवार को नेत्र विभाग ने दो लोगों को आंखें प्रत्यारोपित की। इस तरह एक किशोर ने अपने जीवन के बाद भी कई जिंदगियों में उजाला भर दिया। यह घटना अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ समाज को मानवता का संदेश भी देती है।

### 15 अप्रैल को हादसे का शिकार हुआ था हर्ष

हर्ष और उसके पिता राजेंद्र का 15 अप्रैल को पानीपत के समालखा के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ था। इस दुर्घटना में उसके पिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हर्ष को गंभीर हालत में रोहतक लाया गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया। 24 अप्रैल को जब परिवार में पिता की तेहरवीं की रस्म चल रही थी, उसी दिन डॉक्टरों ने हर्ष को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। एनेस्थीसिया विभाग के डॉक्टरों की टीम को 23 अप्रैल को ही हर्ष में ब्रेन डेड के संकेत मिलने लगे थे। इसके बाद डॉ. कुंदन मित्तल के नेतृत्व में चार वरिष्ठ डॉक्टरों की टीम गठित की गई, जिसने जांच कर पुष्टि की कि हर्ष का ब्रेन स्टेम काम नहीं कर रहा है। हर्ष की एक किडनी पंचकूला स्थित आर्मी अस्पताल भेजी गई, जबकि लीवर को दिल्ली के इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज भेजा गया। अन्य अंगों का प्रत्यारोपण पीजीआईएमएस रोहतक में ही किया गया। पीजीआईएमएस के निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने कहा कि हर्ष का यह योगदान समाज के लिए प्रेरणास्रोत है और उसके परिवार का यह निर्णय छह परिवारों के लिए जीवनदान बन गया।

## बदला मौसम: देर रात शहर में तेज बरसात ने दिलाई गर्मी से राहत

# धूल भरी आंधी ने मचाया कहर बिजली-पानी को तरसे शहरवासी

- कई जगह बिजली के तार व खंभे टूटे, ट्रांसफार्मर जले, पेड़ भी गिरे
- रातभर गर्मी व मच्छरों से लोग परेशान, इनवर्टर दे गए जवाब
- बिजली निगम की टीमें रातभर मरम्मत में जुटीं, सुबह हुई बहाली

**रोहतक।** सोमवार देर रात अचानक चली धूल भरी तेज आंधी ने पूरे शहर की रफ्तार थाम दी। देखते ही देखते आसमान में धूल का गुबार छा गया और तेज हवाओं के साथ आई इस आंधी ने बिजली व्यवस्था को बुरी तरह झकझोर दिया। शहर से लेकर गांव तक कई जगहों पर बिजली के खंभे टूट गए, ट्रांसफार्मर जल गए और पेड़ों के गिरने से बिजली की तारें टूटकर जमीन पर आ गिरीं। नतीजा पूरा शहर अंधेरे में डूब गया और लोगों की रात परेशानी में कट गई। कई इलाकों में एक साथ चार बिजली के पोल गिर गए। दो ट्रांसफार्मर भी ओवरलोड और फाल्ट के चलते जल गए। गांवों में हालात और भी ज्यादा खराब रहे, जहां तेज हवाओं के कारण बड़े-बड़े पेड़ उखड़कर बिजली की लाइनों पर गिर पड़े। बिजली सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई। शहर के कुछ एरिया में बिजली सप्लाई ठप्प होने से पानी का संकट भी बना रहा। वहीं, मंगलवार देर रात आई तेज बरसात ने जहां मौसम को ठंडा कर दिया, वहीं लोगों को भीषण गर्मी से भी बड़ी राहत दी। कई स्थानों पर सड़कों पर पानी भर गया।

**दिनभर चली मरम्मत**

**रात को बरसात**

### मंगलवार को भी मरम्मत कार्य किया

मंगलवार सुबह होते ही बिजली निगम की टीमें फिर से सक्रिय हो गईं। शहर के विभिन्न इलाकों में टूटे पोल बदलने, जले ट्रांसफार्मर रिप्लेस करने और गिरी हुई तारों को ठीक करने का काम तेजी से शुरू किया गया। दिनभर अलग-अलग जगहों पर बिजली बंद रखकर मरम्मत कार्य किया गया, जिससे लोगों को और परेशानी झेलनी पड़ी। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि यह जरूरी था, ताकि भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा न हो।

### लोगों को दफ्तर जाने में भी हुई दिक्कत

लंबे समय तक बिजली कट रहने के कारण लोगों के इनवर्टर भी डाउन हो गए। जिन लोगों को उम्मीद थी कि इनवर्टर से रात कट जाएगी, उन्हें भी निराशा हाथ लगी। सुबह तक इनवर्टर पूरी तरह डिस्चार्ज हो चुके थे। इसके चलते मोबाइल चार्जिंग, पंखे और लाइट जैसी बेसिक सुविधाएं भी ठप हो गईं। कामकाजी लोगों को दफ्तर जाने में भी दिक्कत हुई, क्योंकि न तो मोबाइल ठीक से चार्ज थे और न ही पानी की व्यवस्था।

### अंधेरे में बीती रात, लोग छतों और आंगनों में बैठे

बिजली गुल होते ही लोगों की परेशानी बढ़ गई। गर्मी के बीच अचानक बिजली कटने से घरों में लगे पंखे और कूलर बंद हो गए। इनवर्टर कुछ समय तक तो सहारा देते रहे, लेकिन लंबा कट लगने के कारण वे भी जवाब दे गए। ऐसे में लोग छतों और आंगनों में बैठकर रात बिताने को मजबूर हो गए।शहर के कई इलाकों में लोगों ने बताया कि रात करीब 10 बजे के बाद बिजली गई और फिर देर रात तक वापस नहीं आई। बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा दिक्कत का सामना करना पड़ा। वहीं मच्छरों ने भी लोगों की नींद हराम कर दी।

### पानी का संकट भी गहराया

बिजली नहीं होने का सीधा असर पानी की सप्लाई पर भी पड़ा। मोटर नहीं चलने से घरों में पानी की किल्लत हो गई। सुबह होते-होते कई घरों में पानी पूरी तरह खत्म हो चुका था। लोगों को हैंडपंप या आसपास के अन्य स्रोतों का सहारा लेना पड़ा। कुछ कॉलोनियों में तो स्थिति इतनी खराब रही कि लोगों को पीने के पानी के लिए भी इंतजार करना पड़ा। महिलाओं को सुबह-सुबह पानी के इंतजाम में जुटना पड़ा, जिससे दिनचर्या भी प्रभावित हुई। बाबरा मोहल्ला, माता दरवाजा, लाढ़ौत रोड, वसंत विहार, रेलवे रोड, गोहाना अड्डा, सुखपुरा चौक, तेज कॉलोनी आदि एरिया में रात और सुबह बिजली न होने से पानी की सप्लाई भी बाधित रही।

### रातभर डटे रहे निगम कर्मी

आंधी के बाद बिगड़ी बिजली व्यवस्था को पटरी पर लाने की पूरी जिम्मेदारी बिजली निगम के कर्मचारियों पर आ गई। जैसे ही नुकसान की सूचनाएं मिलने लगीं, विभाग की टीमें तुरंत अलग-अलग इलाकों में पहुंच गईं और बिना देर किए मरम्मत कार्य शुरू कर दिया। तेज हवाओं और अंधेरे के बावजूद कर्मचारियों ने जोखिम उठाकर काम किया और टूटे हुए बिजली पोल, झुकी लाइनों और क्षतिग्रस्त तारों को दुरुस्त करने में जुटे रहे।कई स्थानों पर हालात काफी चुनौतीपूर्ण थे, क्योंकि पेड़ गिरने से तार पूरी तरह उलझ गए थे और पोल भी क्षतिग्रस्त हो चुके थे। ऐसे में कर्मचारियों को पहले रास्ता साफ करना पड़ा, फिर मरम्मत कार्य शुरू किया गया।

### प्रशासन के लिए चेतावनी मजबूत सिस्टम की मांग

तेज आंधी के बाद फिर बिजली व्यवस्था की कमजोरियां सामने आईं। लोगों का कहना है कि हर बार ऐसी स्थिति बनती है, इसलिए पोल, तार और ट्रांसफार्मर की नियमित जांच व मजबूत व्यवस्था जरूरी है, ताकि नुकसान कम हो सके।

### फिलहाल राहत, सवाल बरकरार

मंगलवार शाम तक अधिकतर इलाकों में बिजली सप्लाई बहाल कर दी गई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। लेकिन यह सवाल अब भी कायम है कि आखिर हर बार मौसम की मार में बिजली व्यवस्था क्यों जवाब दे जाती है।

रोहतक। मोबाइल मेडिकल वैन के साथ कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल, डीन छात्र कल्याण डॉ. सविता सिंघल व अन्य।

***मोबाइल मेडिकल वैन से गांव-गांव पहुंचेगी पीजीआई की स्वास्थ्य सेवा***

# डेंटल, ईएनटी और स्किन रोगों की अब घर-घर जांच

- अत्याधुनिक उपकरणों से लैस यूनिट में एक्स-रे, एंडोस्कोपी और ऑडियोमीटर की सुविधा
- हर माह स्वास्थ्य शिविर लगाकर ज्यादा से ज्यादा मरीजों को मिलेगा लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। मोबाइल मेडिकल वैन में अत्याधुनिक डेंटल चेयर्स, पोर्टेबल एक्स-रे सुविधा तथा एंडोस्कोप।

रोहतक स्थित पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (पीजीआईएमएस) ने ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। एलपीएस बोसार्ड कंपनी के सहयोग से एक अत्याधुनिक मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू की गई है, जो अब गांव-गांव जाकर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएगी।इस मोबाइल यूनिट में डेंटल, ईएनटी (कान-नाक-गला) और त्वचा रोगों की जांच के लिए आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। इसमें दो अत्याधुनिक डेंटल चेयर, पोर्टेबल एक्स-रे मशीन, एंडोस्कोप, एलईडी ओटोस्कोप और मिनी ऑडियोमीटर जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इन उपकरणों की मदद से स्वास्थ्य शिविरों में मरीजों की सटीक जांच और प्रारंभिक उपचार किया जा सकेगा। एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने बताया कि उनकी संस्था पहले से ही समाज सेवा के लिए ब्लड डोनेशन, आई चेकअप और मैमोग्राफी बसें चला रही है। यह चौथी मोबाइल यूनिट है, जिसे विशेष रूप से दंत, ईएनटी और स्किन रोगों के इलाज के लिए तैयार किया गया है। कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य सिर्फ अस्पताल तक सीमित नहीं है, बल्कि हर जरूरतमंद तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना है। निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने बताया कि इस यूनिट से बीमारियों का शुरुआती चरण में ही पता चल सकेगा, जिससे इलाज आसान और कम खर्चीला होगा। पीजीआईएम हर माह स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ पहुंचाने की योजना बना रहा है।

## 10 मार्च को जेवरात और नकदी ले गए थे चोर

# आईएमटी चोरी मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

***भालौठ निवासी दिपांशु व अतुल को पुलिस ने किया गिरफ्तार, दो आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके***

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक के आईएमटी क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक कुल चार आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। पुलिस प्रवक्ता मनीष के अनुसार, गांव भालौठ निवासी कुलदीप ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 10 मार्च की रात उनके मकान के पीछे बने कमरे में रखी अलमारी से जेवरात और नकदी चोरी हो गई थी। मामले की जांच मुख्य सिपाही रोहित को सौंपी गई थी। जांच के दौरान पुलिस टीम ने 27 अप्रैल को कार्रवाई करते हुए गांव भालौठ निवासी दिपांशु (पुत्र विनोद) और अतुल (पुत्र धर्मबीर) को गिरफ्तार किया। इससे पहले इसी मामले में दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और चोरी किए गए सामान की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। मामले की गहन जांच की जा रही है ताकि पूरे गिरोह का खुलासा किया जा सके।

**स्टूडेंट गाइड** जिले के कॉलेजों में 1000 सीटों पर मिल रहा दाखिले का मौका

## जावा, पायथन, C++ जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज में मिलती है महारत

रोहित डागर ⏭ रोहतक

डिजिटल क्रांति के इस दौर में कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी हर क्षेत्र की जरूरत बन चुके हैं। ऐसे में 12वीं के बाद करियर को लेकर असमंजस में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) एक मजबूत और व्यावहारिक विकल्प बनकर उभरा है। यह कोर्स न केवल तकनीकी ज्ञान देता है, बल्कि छात्रों को इंडस्ट्री के अनुरूप स्किल्स से भी लैस करता है। प्रोग्रामिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, वेब डिजाइनिंग और डेटा मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर छात्र आईटी सेक्टर में अपनी जगह बना सकते हैं। खास बात यह है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में भी बीसीए के छात्रों की मांग तेजी से बढ़ रही है। जिले के विभिन्न कॉलेजों में उपलब्ध यह कोर्स युवाओं को नौकरी के साथ-साथ स्टार्टअप के अवसर भी प्रदान कर रहा है, जिससे उनका भविष्य और अधिक संभावनाओं से भर रहा है।

खास खबर

# 12वीं के बाद बीसीए: आईटी सेक्टर में सफलता का सबसे स्मार्ट रास्ता

### कोर्स का यह फायदा

नेकीराम कॉलेज के कंप्यूटर साइंस विभाग अध्यक्ष डॉ. सुजाता के अनुसार, यह कोर्स अपनी व्यावहारिक (प्रैक्टिकल) पद्धति के लिए जाना जाता है, जिसमें छात्रों को जावा, पायथन, सी प्लस प्लस जैसी प्रोग्रामिंग भाषाओं के साथ-साथ सॉफ्टवेयर और वेब विकास के आधुनिक गुर सिखाए जाते हैं। अब केवल सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट ही नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञों की भारी मांग है।

डॉ. सुजाता

### 9 कॉलेजों में बीसीए कोर्स

बीसीए एक ऐसा डिग्री कोर्स है, जो न केवल बेहतरीन नौकरी की गारंटी देता है, बल्कि छात्रों को आधुनिक उद्योग की मांगों के अनुसार पूरी तरह तैयार भी करता है। जिले के 9 कॉलेजों में बीसीए का कोर्स उपलब्ध है, जहां कुल 1000 सीटें हैं। छात्र इन कॉलेजों में दाखिला लेकर अपने भविष्य को संवार सकते हैं।

### अवसरों की भरमार

- सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट से लेकर क्लाउड कंप्यूटिंग तक अपार अवसर
- ग्राफिक्स डिजाइनिंग, एनिमेशन और वीडियो एडिटिंग में भी करियर
- बैंकिंग, हॉस्पिटल और मॉल्स में बढ़ी कंप्यूटर एक्सपर्ट्स की जरूरत
- एआई और साइबर सिक्योरिटी में बढ़ रही विशेषज्ञों की मांग

### इन कॉलेजों में सीटें और फीस

| कॉलेज नाम | सीट | फीस |
|---|---|---|
| नेकीराम कॉलेज | 120 | 10280 |
| राजकीय महिला महाविद्यालय | 440 | 5552 |
| जाट कॉलेज | 200 | 32650 |
| गौड़ कॉलेज | 120 | 27000 |
| हिंदू कॉलेज | 180 | 483000 |
| वैश्य कॉलेज | 60 | 27300 |
| एसजेके कॉलेज कलानौर | 60 | 24998 |
| सैनी कॉलेज | 60 | 25000 |
| गवर्नमेंट कॉलेज महम | 80 | 9600 |

### करियर की परिभाषा बदली

आज के दौर में ग्राफिक्स डिजाइनिंग, वीडियो एडिटिंग, एनिमेशन, डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे विकल्पों ने करियर की परिभाषा बदल दी है। आईटी क्षेत्र के अलावा बैंकिंग, हॉस्पिटल मैनेजमेंट (डेटा स्टोरेज) और बड़े मॉल्स में भी डेटा को संभालने के लिए कंप्यूटर एक्सपर्ट्स की आवश्यकता निरंतर बढ़ रही है। बीसीए का अपडेटेड सिलेबस अब इतना एडवांस हो चुका है कि यह छात्रों को न केवल कॉर्पोरेट नौकरी के लिए तैयार करता है, बल्कि उन्हें खुद का स्टार्टअप शुरू करने के लिए भी सक्षम बनाता है।

पानी की मार से जूझते खेत, अब बन रहे कमाई का जरिया

योजनाओं का मकसद सिर्फ आय बढ़ाना नहीं जलभराव से भी निपटना

# 30 साल से जलभराव बना चुनौती नीली खेती बनेगी कमाई का जरिया

## मछली पालन की 9.23 करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत

- मीठे पानी से लेकर झींगा पालन तक का विस्तार
- कम जमीन में ज्यादा मुनाफा, आय के नए आयाम
- सरकारी सब्सिडी से आसान हो रहा रास्ता
- सोच में बदलाव पानी अब समस्या नहीं, संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जिले के खेत मानसून में एक अजीब द्वंद्व में फंसे नजर आते हैं। कहीं पानी की कमी तो कहीं पानी का अत्याधिक होना। महम, कलानौर खंड के आसपास और आसपास के इलाकों में जलभराव की समस्या वर्षों से किसानों की कमर तोड़ती रही है। बरसात के बाद खेत तालाब में बदल जाते हैं, फसलें डूब जाती हैं और फसलों की बुवाई नहीं हो पाती। लेकिन अब यही पानी, जो कभी नुकसान का कारण था, किसानों के लिए कमाई का नया जरिया बनने जा रहा है। वर्ष 2026-27 के लिए जिले में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए 9.23 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मंजूर की गई हैं। इन योजनाओं का मकसद सिर्फ आय बढ़ाना नहीं, बल्कि जलभराव जैसी पुरानी समस्या को अवसर में बदलना भी है। कृषि विशेषज्ञ इसे नीली खेती का उभरता हुआ मॉडल मान रहे हैं, जहां पानी अब दुश्मन नहीं बल्कि साझेदार बन रहा है। ध्यान रहे कि वर्ष 1995 में आई बाढ़ के बाद से जिला जलभराव से जूझ रहा है।

अलग खबर

### योजनाओं का लाभ उठाएं

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत अनुसूचित जाति व महिलाओं को 60 प्रतिशत एवं सामान्य वर्ग को 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। जिला के किसानों से आह्वान है कि वे अपनी जलमग्न एवं लवणीय /सेमग्रस्त भूमि में मछली पालन कर सरकार द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं का लाभ उठाए। मत्स्य पालन स्वरोजगार का उत्तम साधन है। मत्स्य पालन से किसान प्रति एकड़ अढ़ाई लाख रुपये साढ़े 4 लाख रुपये तक वार्षिक आय प्राप्त कर सकता है। -सचिन गुप्ता, डीसी

### 60 प्रतिशत तक सब्सिडी

सरकार भी इस बदलाव को गति देने में अहम भूमिका निभा रही है। अनुसूचित जाति और महिला किसानों को 60 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है, जबकि अन्य किसानों को 40 प्रतिशत तक अनुदान मिलता है। तालाब निर्माण, मछली आहार और उपकरणों पर भी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इससे छोटे और सीमांत किसानों के लिए इस क्षेत्र में प्रवेश आसान हो रहा है। जलभराव की समस्या को देखें तो जिले के कई गांवों में खेतों में हफ्तों तक पानी भरा रहता है। इससे खरीफ फसलें खराब हो जाती हैं और रबी की बुवाई भी समय पर नहीं हो पाती। कई किसान तो पूरे सीजन की खेती से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में मत्स्य पालन एक व्यावहारिक और टिकाऊ विकल्प बनकर सामने आया है, जो न सिर्फ नुकसान को कम करता है बल्कि आय का स्थायी स्रोत भी बनता है।

### आकर्षक निवेश बनाते

योजना के तहत 20 हेक्टेयर क्षेत्र में मीठे पानी की मछली पालन इकाइयां विकसित की जाएंगी, जबकि खारे पानी वाले क्षेत्रों में 31 झींगा पालन यूनिट स्थापित करने का लक्ष्य है। खास बात यह है कि जिन किसानों की जमीन लवणीय, सेमग्रस्त या लंबे समय तक जलमग्न रहती है, वे भी अब इस योजना से जुड़कर अपनी भूमि को उत्पादक बना सकते हैं। एक एकड़ में मछली पालन से सालाना 2.5 लाख से 4.5 लाख रुपये तक की आमदनी संभव है। वहीं झींगा पालन में यह आंकड़ा 4 से 5 लाख रुपये प्रति एकड़ तक पहुंच सकता है। हालांकि झींगा यूनिट की शुरुआती लागत करीब 14 लाख रुपये होती है, लेकिन बाजार में इसकी मांग और बेहतर रिटर्न इसे आकर्षक निवेश बनाते हैं।

### दिख रही बदलाव की लहर

कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक यदि जल प्रबंधन, ड्रेनेज सिस्टम और फसल विविधीकरण के साथ मत्स्य पालन को जोड़ा जाए, तो यह मॉडल जिले की कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। इससे न केवल अनुपयोगी भूमि का उपयोग बढ़ेगा, बल्कि ग्रामीण रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। खेतों में अब बदलाव की लहर दिखने लगी है। जहां कभी पानी ठहरकर फसलों को डुबो देता था, वहीं अब वही पानी मछलियों के जरिए आमदनी का जरिया बन रहा है। यह बदलाव सिर्फ खेती का नहीं, सोच का भी है। जहां चुनौती को अवसर में बदलने की कोशिश साफ नजर आती है।

# नगरपालिका के 15 वार्डों में 43 पार्षद और 10 चेयरमैन प्रत्याशी मैदान में

- एक वार्ड में पार्षद निर्विरोध चयनित, नहीं होगा मतदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सांपला

नगरपालिका चुनाव में नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब चुनावी तस्वीर पूरी तरह स्पष्ट हो गई है। अंतिम दिन 6 पार्षद और पांच चेयरमैन प्रत्याशियों ने नामांकन वापस ले लिया, जिससे कई वार्डों में मुकाबला सीमित हो गया।

वहीं एक वार्ड में केवल एक उम्मीदवार बचने के कारण वहां पार्षद निर्विरोध चुन लिया गया है। अब नगर पालिका के 15 वार्डों में कुल 43 पार्षद प्रत्याशी चुनावी रण में हैं। पहले की तुलना में प्रत्याशियों की संख्या घटने से कई वार्डों में सीधी टक्कर देखने को मिल रही है। चेयरमैन पद के लिए भी अब 10 उम्मीदवार मैदान में रह गए हैं, जिससे मुकाबला रोचक और बहुकोणीय बन गया है। चेयरमैन पद के उम्मीदवारों में प्रवीण कोच, अंकित, अंकित पुत्र साहिब सिंह, अनिल कुमार, मंजीत पीपल, राकेश कुमार, रामनिवास, विकास कलाई, सुधीर ओहल्यान और सुशील कुमार चुनाव में शामिल हैं।

### प्रचार अभियान तेज

निर्विरोध पार्षद बनने के कारण एक वार्ड में मतदान नहीं होगा, जबकि शेष 15 वार्डों में 10 मई को मतदान कराया जाएगा। प्रशासन द्वारा सभी प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाने के बाद प्रचार अभियान तेज हो गया है। प्रत्याशी घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क साध रहे हैं और अपने पक्ष में माहौल बनाने में जुटे हैं। चुनाव में इस बार चेयरमैन पद के लिए कड़ा मुकाबला माना जा रहा है, वहीं पार्षद पद पर भी कई वार्डों में दिलचस्प टक्कर देखने को मिल सकती है। अब सभी की नजरें मतदान दिवस और उसके परिणामों पर टिकी हैं।

# बागी तेवर : नहीं मानी नेताओं की बात, चुनाव मैदान में ठोक दी ताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सांपला

- मुकाबला और अधिक दिलचस्प व त्रिकोणीय होने की संभावना
- भाजपा के चुनावी समीकरणों पर सीधा असर नजर आ रहा

भाजपा में लंबे समय से सक्रिय रहे पूर्व चेयरमैन सुधीर ओहलान, अनिल शर्मा और पूर्व जिला महामंत्री मंजीत सैन ने पार्टी नेतृत्व की सलाह को ठुकराते हुए चेयरमैन चुनाव में बागी तेवर अपना लिए हैं। तीनों नेताओं ने न केवल संगठन की लाइन से अलग रास्ता चुना, बल्कि भविष्य में पद या जिम्मेदारी मिलने के संकेतों को भी सिरे से नकारते हुए चुनाव मैदान में ताल ठोक दी है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी के बड़े नेताओं ने हालात को संभालने के लिए कई स्तर पर प्रयास किए। व्यक्तिगत मुलाकात से लेकर फोन पर बातचीत तक, हर संभव कोशिश की गई ताकि बागी प्रत्याशियों को मनाया जा सके। बताया जा रहा है कि कई दौर की बातचीत भी हुई, लेकिन कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई। अंदरखाने यह भी चर्चा है कि बागी नेताओं ने शुरू से ही साफ संकेत दे दिए थे कि वे इस बार पीछे हटने के मूड में नहीं हैं। इन बागी प्रत्याशियों का कहना है कि वे किसी भी तरह का "बिकाऊ" या ना "टिकाऊ" ठप्पा अपने ऊपर नहीं लगने देना चाहते। उन्होंने चुनाव लड़ने को अपनी मजबूरी बताते हुए कहा कि यह फैसला उनके समर्थकों और भाईचारे के दबाव में लिया गया है। इसी कारण उन्होंने पार्टी नेताओं की समझाइश को विनम्रता से टालते हुए अपने निर्णय पर कायम रहना ही उचित समझा। इस घटनाक्रम के बाद स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है और भाजपा के चुनावी समीकरणों पर इसका सीधा असर पड़ता नजर आ रहा है। बागियों के मैदान में डटे रहने से मुकाबला और अधिक दिलचस्प व त्रिकोणीय होने की संभावना बढ़ गई है।

# मंडी में गेहूं खरीद गड़बड़ियों की सीएम को दी शिकायत

- सांपला अनाज मंडी में लगातार हो रहा था तुलाई में गोलमाल

सांपला। अनाज मंडी में गेहूं खरीद में गड़बड़ियां चल रही है। इसको लेकर मार्केट कमेटी चेयरमैन उदयभान मलिक ने सीएम और कृषि मंत्री व खरीद एजेंसी एमडी को शिकायत भेजी है। सांपला अनाज मंडी में वेयर हाउस और हेफेड एजेंसी द्वारा गेहूं की खरीद की जा रही है। खरीद के साथ उठान भी जारी है। एजेंसी के गोदाम तक गेहूं पहुंचने से पहले गेहूं के बैगों से भरे वाहनों का धर्म कांटे पर वजन किया जाता है। उसके बाद एजेंसी द्वारा गोदाम पर तुलाई की जाती है। शिकायत थी कि धर्म कांटे पर वजन ठीक नहीं किया जाता। इसके अलावा खरीद एजेंसी द्वारा गेहूं गोदाम पर पहुंचने पर पक्की रसीद नहीं दी जा रही। इन शिकायतों के बाद मार्केट कमेटी चेयरमैन उदयभान मलिक ने आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान सहित आढ़तियों को की मोजूदगी में धर्म कांटे और एजेंसी द्वारा दी जाने वाली रसीद की पड़ताल की। जिसमें धर्म कांटे पर करीब एक क्विंटल वजन कम दिखाया गया था। इसके अलावा एजेंसी द्वारा पक्की रसीद भी नहीं दी जा रही थी। इस संबंध में चेयरमैन उदयभान मलिक ने सीएम नायब सैनी और कृषि मंत्री और वेयर हाउस एमडी को शिकायत कर दी। सरकार ने पहले ही आदेश जारी किए थे की माप-तोल की कच्ची रसीद की जगह पक्की रसीद दी जाएगी। चेयरमैन ने बताया कि नापतोल विभाग ने धर्म कांटे पर सील लगा दी है।

# मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदलेंगे

- धरने की अध्यक्षता जिला प्रधान सोनू हुड्डा ने की, अनेदखी पर चेताया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

हरियाणा के अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की राज्यव्यापी हड़ताल मंगलवार को 21वें दिन में प्रवेश कर गई। रोहतक मुख्य दमकल केंद्र पर जारी इस धरने की अध्यक्षता जिला प्रधान सोनू हुड्डा ने की। इस दौरान कर्मचारियों ने नई रणनीति के तहत क्रमिक भूख हड़ताल शुरू कर दी है। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि वे मंत्री की धमकियों से पीछे नहीं हटेंगे। यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो नगर पालिका कर्मचारियों के सहयोग से इस आंदोलन को अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदल दिया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी पूर्णतः सरकार की होगी। सोनू हुड्डा ने राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने विभाग का कार्य सुचारू रूप से चलने का दावा किया था। हुड्डा ने कहा कि यह बयान जमीनी हकीकत से परे और गैर-जिम्मेदाराना है। उन्होंने आंकड़े देते हुए बताया कि प्रदेश के 2208 कर्मियों में से 1648 कर्मचारी हड़ताल पर हैं, जिससे भीषण गर्मी में आगजनी की घटनाओं पर काबू पाना मुश्किल हो रहा है।

यूनियन ने सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि शहीद पुलिसकर्मियों की तर्ज पर दमकल शहीदों को 1 करोड़ का मुआवजा और सरकारी नौकरी क्यों नहीं दी जा रही।

रोहतक। अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

## न्यूज डायरी

रोहतक। मीटिंग में मौजूद चुनाव के सामान्य पर्यवेक्षक नरेंद्र कुमार और रिटर्निंग अधिकारी अंकिता। फोटो : हरिभूमि

### सांपला नपा चुनाव स्टाफ का प्रथम रैंडोमाइजेशन

रोहतक। सांपला नगर पालिका के आम चुनाव को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने की दिशा में प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सचिन गुप्ता, चुनाव के सामान्य पर्यवेक्षक नरेंद्र कुमार और रिटर्निंग अधिकारी अंकिता पुवार की मौजूदगी में मतदान स्टाफ का प्रथम रैंडोमाइजेशन किया गया। यह प्रक्रिया लघु सचिवालय स्थित सभागार में संपन्न हुई। गुप्ता ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष बनाए रखने के लिए रैंडोमाइजेशन प्रणाली अपनाई जाती है। डीसी ने बताया कि नपा क्षेत्र में कुल 16 वार्ड हैं और 16 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक पीठासीन अधिकारी, एक वैकल्पिक पीठासीन अधिकारी और दो मतदान अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। मौके पर सहायक रिटर्निंग अधिकारी अशोक कुमार, चुनाव तहसीलदार सरला, डीआईओ महेश भारद्वाज सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

# फसल अवशेष जलाने वाले किसानों पर दर्ज की जाए एफआईआर, गश्त भी बढ़ाएं

- उपायुक्त ने अधिकारियों की बैठक में दिए सख्त निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जिला प्रशासन ने गेहूं फसल के अवशेष जलाने की घटनाओं पर कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। डीसी सचिन गुप्ता ने मंगलवार को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने किसानों को मेरा पानी-मेरी विरासत योजना के तहत फसल विविधीकरण अपनाने के लिए जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाए, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मिट्टी की सेहत भी बेहतर हो सके। माडौधी जाटान गांव में धान की सीधी बिजाई को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए गए।

### किसानों से अपील

डीसी ने किसानों से अपील की कि वे जैविक उपाय अपनाकर भूमि की सेहत सुधारें। उन्होंने केंचुआ खाद, गोबर खाद और हरी खाद के उपयोग पर बल देते हुए कहा कि इससे मिट्टी में पोषक तत्वों की पूर्ति होगी और उत्पादन में वृद्धि होगी। बैठक में बताया गया कि जिले के आसन, रिठाल फौगाट, किलोई खास और किलोई दोपाना गांवों में सब-सर्फेस ड्रेनेज का कार्य शुरू कर दिया गया है, जिससे सेम (जलभराव) की समस्या का समाधान किया जाएगा। वहीं कलानौर कलां और माडौधी जाटान-रागडान क्षेत्र की लवणीय भूमि के सुधार के लिए करीब साढ़े चार करोड़ की परियोजना पर काम चल रहा है। इस परियोजना के तहत वर्टिकल ड्रेनेज सिस्टम स्थापित किया जाएगा। दोनों क्षेत्रों की करीब 3000 एकड़ भूमि इस योजना से लाभान्वित होगी। गेहूं कटाई के बाद यहां 20-20 सोलर आधारित ड्रेनेज ट्यूबवेल भी लगाए जाएंगे।

महम। सेमिनार को संबोधित करते हुए ऑर्गन इंडिया की प्रोजेक्ट एसोसिएट दिव्या गुसेन।

### अंगदान केवल निर्णय नहीं, मानवता की सबसे बड़ी सेवा

- ऑर्गन डोनेशन को लेकर कॉलेज विद्यार्थियों को किया जागरूक

महम। राजकीय महाविद्यालय ऑर्गन डोनेशन विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का शुभारंभ प्राचार्य डॉक्टर सत्यव्रत सोलंकी ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य प्रवक्ता के तौर पर ऑर्गन इंडिया की तरफ से प्रोजेक्ट एसोसिएट दिव्या गुसेन ने विद्यार्थियों को ऑर्गन डोनेशन के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि अंगदान केवल एक निर्णय नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। एक व्यक्ति मृत्यु के पश्चात 8 लोगों को नया जीवन दे सकता है। इस सेमिनार में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. दीपक कुमार, डॉ. वर्षा, प्रियंका, आरजू व सुदेश मौजूद रहे।

रोहतक। अरविंद यादव का स्वागत करते जिलाध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका।

### प्रशिक्षण संगठन की मजबूती का आधार : रणवीर सिंह ढाका

रोहतक। 16-17 मई को आयोजित होने वाले भाजपा जिला प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों को लेकर भाजपा द्वारा मंगलकमल कार्यालय में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका ने की। इस जिला प्रशिक्षण शिविर के लिए प्रशिक्षण पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी अरविंद यादव को दी गई। हरिओम मित्तल को जिला प्रशिक्षण प्रमुख, पूर्व विधायक सरिता नारायण को प्रशिक्षण संयोजक, प्रतिभा सुमन को प्रशिक्षण वर्ग प्रमुख और अशोक खुराना को प्रदर्शनी प्रमुख का दायित्व दिया गया है। बैठक में प्रशिक्षण शिविर को सफल एवं प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपते हुए कहा कि प्रशिक्षण शिविर संगठन की मजबूती का आधार होता है। जिला मीडिया प्रभारी पंकज भारद्वाज ने बताया इस अवसर पर जिला प्रभारी सत्येंद्र परमार, बीर सिंह हुड्डा,सुखबीर चंदेलिया, नवीन दुल, वीना सिक्का, नितिन जैन, शिव परमार, अंकुश बिड़ू, कविता इंढौर, बबीता सोनी, अमित बंसल, ललित भारद्वाज, विकास पवार, रवि हुडडा, अंकित शर्मा, रेखा रोहिल्ला एवं अन्य प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## गेहूं फसल के अवशेषों को जलाने पर तुरंत प्रभाव से प्रतिबंध लागू: एसडीएम

महम। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए उपमंडल स्तर पर गेहूं फसल के अवशेष (फाने) जलाने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किए गए हैं। उपमंडल अधिकारी (नागरिक) विपिन कुमार द्वारा जारी आदेशों में कहा गया है कि गेहूं फसल के अवशेषों को जलाने से वातावरण प्रदूषित होता है, जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है तथा मिट्टी की उर्वरता भी प्रभावित होती है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष जलाने से हवा में हानिकारक गैसें एवं धुआं फैलता है, जो श्वसन संबंधी बीमारियों को बढ़ावा देता है और पर्यावरण संतुलन को भी प्रभावित करता है। इसके साथ ही जीव-जंतुओं पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ता है। विपिन कुमार ने किसानों से अपील की है कि वे गेहूं के फाने न जलाएं और पर्यावरण संरक्षण में अपना सहयोग दें। किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के वैकल्पिक उपाय अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया है, ताकि भूमि की गुणवत्ता बनी रहे और प्रदूषण से बचाव हो सके। जारी निर्देशों के अनुसार आदेशों की अवहेलना करने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महम। खेतों में जले गेहूं के फाने देखकर वहां पर मौजूद किसान को समझाते एसडीएम विपिन कुमार।

## टेक्नीशियन अशोक गुलाटी ने भाई सुरेंद्र की पुण्य स्मृति पर पेश की सेवा की मिसाल

# हड्डी रोग विभाग में भेंट किया वाटर कूलर शीतल जल के लिए नहीं भटकेंगे तीमारदार

वीसी बोले, जब कर्मचारी संस्थान को परिवार मानकर सेवा करते हैं तो यही विकास की सबसे बड़ी गारंटी है

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सेवा और संवेदना की मिसाल पेश करते हुए पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की चौधरी रणबीर सिंह ओपीडी में तैनात ओटी टेक्नीशियन अशोक गुलाटी ने अपने दिवंगत भाई स्वर्गीय सुरेंद्र गुलाटी की पुण्य स्मृति में हड्डी रोग विभाग की ओपीडी में एक वाटर कूलर दान किया। इस नेक पहल से गर्मी में इलाज के लिए आने वाले सैकड़ों मरीजों और उनके तीमारदारों को शीतल जल की सुविधा मिलेगी। यह कहना है समाजसेवी हिमांशु ग्रोवर का, वें मंगलवार को ओपीडी में वाटर कूलर का शुभारंभ करने पहुंचे थे। उन्होंने वाटर कूलर का रिबन काटकर शुभारंभ किया। हिमांशु ग्रोवर ने सबसे पहले स्वयं इस वाटर कूलर से जल ग्रहण कर सेवा कार्य की शुरुआत की। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए हिमांशु ग्रोवर ने कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि जल सेवा सबसे बडी सेवा। अशोक गुलाटी जी ने अपने भाई की याद को समाजसेवा से जोड़कर अमर कर दिया है। अस्पताल में आने वाला हर मरीज किसी न किसी पीड़ा से गुजर रहा होता है। ऐसे में ठंडे पानी का एक गिलास भी उसे राहत और हौसला देता है। हिमांशु ग्रोवर ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि जन्मदिन, वर्षगांठ या अपनों की स्मृति में रक्तदान, अंगदान शपथ पत्र, पौधारोपण या जल सेवा जैसे कार्य जरूर करें। इस अवसर पर डॉ. आशीष देवगन, डॉ. राजेश रोहिल्ला, राजेंद्र यादव, रामकेश, रमेश कुमार, सुनील सहित विभाग के कई कर्मचारी और आमजन उपस्थित रहे।

रोहतक। ओपीडी में वाटर कूलर का शुभारंभ करते भाजपा नेता हिमांशु ग्रोवर, अशोक गुलाटी व निदेशक डॉ. एस.के. सिंघल। फोटो : हरिभूमि

### भाई की स्मृति को हजारों की दुआओं से जोड़ दिया : सिंघल

कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि पीजीआईएमएस परिवार सिर्फ इलाज ही नहीं, इंसानियत की पाठशाला भी है। अशोक गुलाटी जैसे कर्मचारी जब अपने निजी दुख को समाजसेवा में बदलते हैं तो पूरा संस्थान गौरवान्वित होता है। विश्वविद्यालय प्रशासन ऐसे हर सहयोग का स्वागत करता है। कुलसचिव और हड्डी रोग विभाग अध्यक्ष डॉ. रूप सिंह ने अशोक गुलाटी के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी संस्थान की असली पूंजी उसके कर्मचारी होते हैं। जब कर्मचारी संस्थान को अपना परिवार मानकर सेवा करते हैं, तो वह विकास की सबसे बड़ी गारंटी है। अशोक ने भाई की स्मृति में जो दान दिया है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा। निदेशक डॉ. एस.के. सिंघल ने कहा कि हड्डी रोग ओपीडी में रोज 400 से 500 मरीज आते हैं। कई बुजुर्ग, दिव्यांग और दूर-दराज से आए लोग घंटों लाइन में लगते हैं। अशोक गुलाटी ने अपने भाई की स्मृति को हजारों लोगों की दुआओं से जोड़ दिया। डॉ. एस. के. सिंघल ने कहा कि डॉक्टर दवा देता है, लेकिन सेवा भाव हौसला देता है। मैं अन्य स्टाफ और समाजसेवियों से भी अनुरोध करता हूं कि वे आगे आएं, एक छोटा सा सहयोग किसी की बड़ी तकलीफ दूर कर सकता है। डॉ. सिंघल ने कहा कि पीजीआईएमएस में हर दिन हजारों लोग आते हैं। अगर हर सक्षम व्यक्ति अपनी क्षमता अनुसार छोटा-सा सहयोग भी करें।

## बागवानी बढ़ाने के लिए करें किसानों को प्रेरित : उपायुक्त

रोहतक। जिले में किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को विविधता देने के उद्देश्य से उपायुक्त सचिन गुप्ता ने उद्यान विभाग के अधिकारियों को बागवानी क्षेत्र का विस्तार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ बागवानी फसलों की ओर प्रेरित किया जाए, ताकि उनकी आमदनी में स्थायी वृद्धि हो सके। कैंप कार्यालय में मंगलवार को आयोजित समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही, जिला प्रशासन द्वारा संचालित सांझा बाजार के माध्यम से स्वयं सहायता समूह शहद की बिक्री में सहयोग करेंगे। इससे मधुमक्खी पालकों की आय बढ़ेगी और उपभोक्ताओं को गुणवत्ता युक्त शहद उपलब्ध हो सकेगा। उपायुक्त ने बताया कि सरकार द्वारा शहद को भावांतर भरपाई योजना में शामिल किया गया है, जिससे यह व्यवसाय अधिक सुरक्षित और लाभकारी बन रहा है। इस वर्ष 23 मधुमक्खी पालकों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें से 7 की वेरिफिकेशन और 2 की ब्रांडिंग की जा चुकी है। डीसी ने मशरूम उत्पादन को भी आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बताते हुए किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा माडौधी जाटान गांव को मॉडल गांव के रूप में विकसित करने की योजना के तहत उद्यान विभाग को एक माह की कार्य योजना तैयार करने को कहा गया है, जिसमें बागवानी और सहायक व्यवसायों को बढ़ावा दिया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री बागवानी योजना के तहत किसानों को प्रशिक्षण देकर नई तकनीकों से जोड़ा जा रहा है। इससे खेती को लाभकारी बनाने में मदद मिलेगी। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, पुलिस उपाधीक्षक गुलाब सिंह, मंडल मृदा संरक्षण अधिकारी डॉ. नीना सहवाग, कृषि उप निदेशक डॉ. सुरेंद्र मलिक, सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता अरूण मुंजाल, जिला मत्स्य अधिकारी आशा हुड्डा, जिला उद्यान अधिकारी डॉ. मदनलाल, पशुपालन विभाग के एसडीओ डॉ. नरेंद्र दहिया, एसडीएओ संदीप सिंह के अलावा अनिल अहलावत, विकास कुमार, डॉ. रूपेंद्र, दीपक सिंह, सोमवीर, दिलबाग सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

### आज गूंजेगा राष्ट्रीय क्रिकेट का बिगुल, जिला खेल महाकुंभ की मेजबानी के लिए तैयार

# रोहतक में 27 राज्यों की क्रिकेटर बेटियां दिखाएंगी अपना कौशल

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते जिला शिक्षा अधिकारी मंजीत मलिक व अन्य शिक्षा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला रोहतक बड़े खेल महाकुंभ की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। जिला शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित की जा रही अंडर-17 गर्ल्स राष्ट्रीय क्रिकेट चैंपियनशिप का आगाज होने जा रहा है। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

इस खेल उत्सव का शुभारंभ उपायुक्त सचिन गुप्ता की अध्यक्षता में होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर शिरकत करेंगे, जबकि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। उद्घाटन समारोह को और भी भव्य बनाने के लिए विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। क्रिकेट के खेल मैदानों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है। विभिन्न राज्यों से आने वाली टीमों के ठहरने और उत्तम भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। खिलाड़ियों के सुगम आवागमन के लिए परिवहन और आपातकालीन स्थिति के लिए मेडिकल टीमें तैनात रहेंगी।

जिला शिक्षा अधिकारी मंजीत मलिक ने बताया कि इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न हिस्सों से 27 टीमें हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल छात्राओं के खेल कौशल को निखारने का काम करेगा, बल्कि उनमें अनुशासन और राष्ट्रीय एकता की भावना भी पैदा करेगा।

## जंप रोप चैंपियनशिप में वेदांता स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया

रोहतक। जैन पब्लिक स्कूल माता दरवाजा जींद रोड पर आयोजित 18वीं इंटर स्कूल जिला स्तरीय जंप रोप चैंपियनशिप में वेदांता स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता का आयोजन जैन पब्लिक स्कूल के प्रांगण में उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। अंडर-17 वर्ग में मुस्कान व सोनिया, अंडर-14 वर्ग में मनीष और अंडर-10 वर्ग में आयुष व अंश ने गोल्ड मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य सोनिया खट्टर ने सभी विजेता खिलाड़ियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना भी सिखाता है। उन्होंने बच्चों को भविष्य में भी इसी तरह मेहनत करते रहने और उच्च स्तर पर विद्यालय व प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। टीम के साथ पूरे समय मार्गदर्शन करने वाले फिजिकल टीचर भूपेंद्र जी की भूमिका सराहनीय रही। उनके निरंतर प्रशिक्षण, मेहनत और समर्पण का ही परिणाम है कि विद्यार्थियों ने यह उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की। विद्यालय प्रबंधन एवं समस्त स्टाफ ने सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रोहतक। विजेताओं को हार्दिक बधाई देते प्रधानाचार्य सोनिया खट्टर व अन्य।

### समाज में बड़ा बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं छोटे-छोटे प्रयास

# रोटरी क्लब ने काहनौर के स्कूल में दिया वाटर कूलर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाते हुए रोटरी क्लब रोहतक सेंट्रल ने मंगलवार को एक सराहनीय पहल की है। क्लब द्वारा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, काहनौर में छात्राओं के लिए एक वाटर कूलर भेंट किया गया।

इस पहल से विद्यालय की छात्राओं को स्वच्छ और ठंडा पेयजल उपलब्ध हो सकेगा, जो गर्मी के मौसम में उनके स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक है। यह सेवा कार्य सुनीता रानी मनचंदा के सहयोग से संभव हुआ। विद्यालय परिसर में आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान वाटर कूलर को औपचारिक रूप से स्कूल प्रबंधन को सौंपा गया। उपस्थित जनों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे छोटे-छोटे प्रयास समाज में बड़ा बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं।

### सिर्फ सेवा नहीं, समाज के जरूरतमंद वर्ग तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना भी उद्देश्य

रोटरी क्लब रोहतक सेंट्रल के अध्यक्ष रोटेरियन सुमित परुथी ने इस अवसर पर कहा कि क्लब का उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना ही नहीं, बल्कि समाज के जरूरतमंद वर्ग तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना भी है। उन्होंने बताया कि क्लब समय-समय पर विद्यालय का दौरा करता रहेगा ताकि छात्राओं को मिलने वाली सुविधाओं का आकलन किया जा सके। साथ ही भविष्य में यहां वाटर आरओ सिस्टम स्थापित करने की भी योजना बनाई जा रही है, जिससे छात्राओं को और अधिक शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि सेवा ही सर्वोपरि के सिद्धांत पर चलते हुए रोटरी क्लब निरंतर समाज के विभिन्न वर्गों के लिए कार्य करता रहेगा। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में इस प्रकार की पहलें विद्यार्थियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं।

### छात्राओं के लिए बड़ी राहत साबित होगा

इस अवसर पर काहनौर के पूर्व सरपंच अमित कादयान, गीत परुथी, प्रीति चुघ, कंवल चुघ, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश भूटानी, पुलकित जैन, छवि जैन और मोनिका जैन सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने रोटरी क्लब के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक कदम बताया। गर्मी के इस दौर में जहां प्यास और पानी की समस्या आम हो जाती है, वहीं यह वाटर कूलर छात्राओं के लिए बड़ी राहत साबित होगा। रोटरी क्लब रोहतक सेंट्रल की यह पहल न केवल सेवा का उदाहरण है, बल्कि समाज में सहयोग और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करती है।

# मॉकटेल मेकिंग वर्कशॉप में छात्रों ने सीखीं मिक्सोलॉजी की बारीकियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक।

रोहतक। कार्यशाला में विद्यार्थियों के साथ मिक्सोलॉजिस्ट हरदीप सिंह (मिक्सो) व आईएचटीएम निदेशक प्रो. संदीप मलिक। फोटो : हरिभूमि

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट (आईएचटीएम) में वीबा के सहयोग से मॉकटेल मेकिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में मिक्सोलॉजी की कला पर विशेष फोकस किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को क्लासिक और फ्यूजन मॉकटेल बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञ मिक्सोलॉजिस्ट हरदीप सिंह (मिक्सो), सचिन और अमन जोशी ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया, जबकि पुष्पेंद्र, धीरज और लक्ष्य ने अंतिम मॉकटेल तैयार करने में सहयोग किया।

आईएचटीएम निदेशक प्रो. संदीप मलिक ने कहा कि हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में मिक्सोलॉजी का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की व्यावहारिक ट्रेनिंग से छात्रों की दक्षता बढ़ती है और होटल, रेस्टोरेंट व एफ एंड बी सेवाओं में रोजगार के अवसर मजबूत होते हैं।

# जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल में सर्वाइकल कैंसर के कारण, लक्षण व बचाव के तरीके बताए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल में सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) के टीकाकरण को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टरों की टीम ने छात्राओं और अभिभावकों को बीमारी के कारण, लक्षण, बचाव और टीकाकरण के महत्व के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. रमेश चंदर (सिविल सर्जन, रोहतक) और डॉ. के.एल. मलिक (कंसल्टेंट, शिवाजी कॉलोनी डिस्पेंसरी) विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि समय पर लगाया गया टीका सर्वाइकल कैंसर से बचाव में अत्यंत प्रभावी है और किशोरियों के लिए यह सुरक्षित व आवश्यक है। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और डॉक्टरों से सवाल पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान किया। विद्यालय के निदेशक विक्रांत मायना, सान्या मायना, सहायक निदेशक हिमांशु गुप्ता, उप-प्रधानाचार्य अमन अग्रवाल और हेडमिस्ट्रेस अनामिका बलहारा भी उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन ने ऐसे कार्यक्रमों को स्वास्थ्य जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए सभी को नियमित स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

## खबर संक्षेप

### क्लेरिकल सर्विसेज बिल-2026 में संशोधन की मांग, पदोन्नति व वेतनमान पर उठाए सवाल

रोहतक। क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी ने हरियाणा क्लेरिकल सर्विसेज बिल-2026 में व्यापक संशोधन की मांग उठाई है। एसोसिएशन का कहना है कि यह बिल एक शुरुआती कदम है, लेकिन इसमें क्लर्कों के सीमित पदोन्नति अवसर, कैडर पुनर्गठन, समयबद्ध पदोन्नति और सम्मानजनक वेतनमान जैसे अहम मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। जिला प्रधान संदीप दांगी ने कहा कि यदि क्लर्क पद "डेड-एंड" बना रहा तो ग्रुप-डी कर्मचारियों की पदोन्नति भी सीमित रह जाएगी। उन्होंने मजबूत प्रमोशन स्ट्रक्चर और स्पष्ट आर्थिक लाभ सुनिश्चित करने की मांग की। जिला सचिव सुनील राठी ने सभी विभागों में कॉमन क्लेरिकल कैडर, एक भर्ती और एक नियम लागू करने की बात कही। वहीं सतीश कुमार ने समान पदनाम और ग्रेजुएशन को न्यूनतम योग्यता बनाने की मांग रखी। जगत सिंह नेहरा ने उच्च पदों को प्रमोशन से भरने, जबकि मनोज धनखड़ ने समयबद्ध पदोन्नति व संशोधित वेतनमान लागू करने पर जोर दिया। प्रेस सचिव ओमवीर हुड्डा ने कहा कि क्लर्क व ग्रुप-डी कर्मचारियों के हित आपस में जुड़े हैं।

### जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में 'रेड डे' की धूम

रोहतक। गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में 'रेड डे' बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। बाल वाटिका-1 और बाल वाटिका-2 के नन्हे विद्यार्थियों ने अपनी मासूम मुस्कान और ऊर्जा से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। विद्यालय परिसर और कक्षाओं को लाल रंग की आकर्षक थीम से सजाया गया, जिससे पूरा माहौल उत्सवमय नजर आया। इस अवसर पर बच्चे और अध्यापक लाल परिधान में विद्यालय पहुंचे, जिससे हर ओर 'रेड' की चमक बिखर उठी। बच्चों के लिए रोचक व ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। नन्हे विद्यार्थियों ने लाल रंग के फल व वस्तुएं जैसे टमाटर, स्ट्रॉबेरी, चेरी, टेडी बियर, बैलून आदि लाकर सहभागिता दिखाई, जिससे उन्हें लाल रंग की पहचान आसान तरीके से करवाई गई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने वर्कशीट्स हल कीं, कविताएं गाईं और रंग भरकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। 'लाल चादर' के नीचे एकत्र होकर बच्चों ने खूब मस्ती भी की। प्रधानाचार्या डॉ. ममता मलिक ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को खेल-खेल में सीखने का अवसर देते हैं। कार्यक्रम में उप-प्रधानाचार्या व अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी सहयोग दिया।

### रोजगार बचाओ जनजागरण यात्रा का स्वागत

रोहतक। ओबीसी ब्रिगेड के तत्वावधान में शिक्षा और रोजगार बचाओ जनजागरण यात्रा का पांचाल धर्मशाला भिवानी चुंगी पर पहुंचने पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर राजेन्द्र तंवर ने कहा कि बीजेपी सरकार प्रदेश में शिक्षा का निजीकरण कर गरीब लोगों को अधिकारों से वंचित करने पर लगी हुई है। एक तरफ तो बीजेपी सरकार के नेता कह रहे हैं कि सबका साथ सबका विकास का नारा बुलंद कर रही है जबकि दूसरी तरफ दलित व पिछड़ा वर्ग के लोगों को नौकरियां को ओछे हथकंड़े अपना कर नौकरियां से वंचित कर रहे हैं।

# गवर्नमेंट वुमन पीजी कॉलेज में पक्षियों के लिए लगाए सकोरे

रोहतक। पक्षियों के लिए पेयजल उपलब्ध करवाते प्राचार्य डॉ. शमशेर हुड्डा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक।

युवा रेड क्रॉस सोसायटी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय महिला रोहतक द्वारा गर्मियों के दौरान पक्षियों के लिए पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सकोरा पॉट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य बढ़ती गर्मी में पक्षियों को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना और छात्रों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शमशेर हुड्डा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ डॉ. वीना सचदेवा, डॉ. रुचि, डॉ. सैनी बरखा, डॉ. सिंकी शर्मा,स्वाति मलिक तथा स्वाति बलहारा भी उपस्थित रहीं। इस गतिविधि का विचार युवा रेड क्रॉस के संयोजक डॉ. सतीश पांगल द्वारा प्रस्तुत किया गया था। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों ने सकोरे (मिट्टी के बर्तन) में पानी भरकर उन्हें महाविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर इस प्रकार स्थापित किया, जहाँ पक्षियों की आसानी से पहुँच हो सके। इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों ने प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए सराहनीय योगदान दिया।

# नशे से बचने के लिए जागरूकता व आत्मसंयम जरूरी

■ केवीएम नर्सिंग कॉलेज में नशा मुक्ति अभियान विषय पर सेमिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

केवीएम नर्सिंग कॉलेज में नशा मुक्ति अभियान विषय पर जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य नर्सिंग विद्यार्थियों को नशे के कारणों, लक्षणों, रोकथाम और समय पर उपचार के महत्व के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में नशा मुक्ति अभियान से जुड़े एसआई अमर कटारिया और एएसआई मोहन सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि धूम्रपान, शराब और अन्य नशे न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि जागरूकता और आत्मसंयम के जरिए नशे से बचा जा सकता है। सेमिनार में नर्सिंग छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विषय से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की। छात्राओं ने प्रश्न पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर ज्योति शर्मा ने मुख्य अतिथियों का धन्यवाद किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और समाज में सकारात्मक संदेश देने के लिए बेहद जरूरी हैं।

**उपलब्धि** संस्कृत से फारसी तक: मुगलकालीन विरासत पर एमडीयू की प्रोफेसर का बड़ा शोध

# लंबे समय से बिखरी 'द्वादश भाव' आधारित अकबरकालीन दुर्लभ चित्रित पांडुलिपि जोड़ी, अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन में छपी

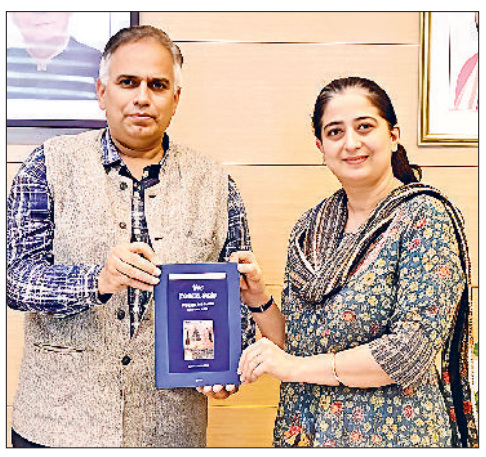

रोहतक। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अंजलि दुहान के साथ कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया।

■ डॉ. अंजलि दूहन का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा काम, कुलपति को भेंट की अपनी शोधपरक पुस्तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के दृश्य कला विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अंजलि दूहन ने मंगलवार को अपनी महत्वपूर्ण शोधपरक पुस्तक कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया को भेंट की। द्वादश भावः संस्कृत कथा का मुगल संस्करण शीर्षक से प्रकाशित यह पुस्तक अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक ब्रिल (लाइडन और बोस्टन) तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी (आईआईएएस), शिमला द्वारा प्रकाशित की गई है। कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया ने कहा कि इस प्रकार का शोध भारतीय कला, इतिहास और साहित्य की विरासत को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में अहम भूमिका निभाता है।

उन्होंने डॉ. अंजलि दूहन को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। डॉ. अंजलि दूहन ने बताया कि यह पुस्तक मुगल सम्राट अकबर के काल (लगभग 1596 ई.) में तैयार एक दुर्लभ चित्रित पांडुलिपि द्वादश भाव पर आधारित है, जो लंबे समय तक बिखरी हुई अवस्था में रही। वर्ष 1972 तक इस पांडुलिपि को अलग-अलग हिस्सों में बांट दिया गया था और इसके चित्र निजी संग्रहों में चले गए थे। उन्होंने पहली बार इस बिखरी हुई कृति को एकत्रित कर उसका लिप्यंतरण और अंग्रेजी में अनुवाद प्रस्तुत किया है। इस पुस्तक में न केवल इस पांडुलिपि का पुनर्निर्माण किया गया है, बल्कि उस दौर में भारत में संस्कृत ग्रंथों के फारसी अनुवाद की परंपरा के संदर्भ में भी इसका विश्लेषण किया गया है। इससे मुगलकालीन अनुवाद प्रक्रिया और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की नई समझ सामने आती है।

डॉ. अंजलि दूहन ने बताया कि पांडुलिपि में शामिल लघु चित्र केवल सजावटी तत्व नहीं थे, बल्कि वे कथा के अर्थ को समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। इन चित्रों के अध्ययन के आधार पर यह भी संकेत मिलता है कि इन्हें मुगल शाही कार्यशाला के विशेष कलाकार समूहों ने तैयार किया था।

# विधायक ने गोशालाओं में वितरित किए ₹59.72 लाख अनुदान के चेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

समाज में सेवा और संवेदना की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गौसेवा के लिए विभिन्न संगठनों एवं व्यक्तियों द्वारा उल्लेखनीय आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। इस अवसर पर विधायक अनिल राव ने चेक वितरित करते हुए कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति और आस्था का अभिन्न अंग है तथा समाज के सभी वर्गों को इसमें अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अखिल भारतीय गौशाला पहरावर को 50,25,960 की राशि का सहयोग प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त पंचायती गौशाला सोसायटी, कलानौर को 9,41,620 की आर्थिक सहायता दी गई, जिससे गौशाला के संचालन एवं गौवंश की देखभाल को और सुदृढ़ किया जा सकेगा। इसी क्रम में जगपाल मग्गू समाज सेवा एवं गऊ सेवा संस्थान आंवल को 4,520 की सहायता राशि प्रदान की गई, जो समाज सेवा के कार्यों में उपयोग की जाएगी।

इस अवसर पर विधायक कोसली अनिल राव ने कहा कि हरियाणा की धरती सदैव से गौसेवा और परोपकार की भावना के लिए जानी जाती रही है। उन्होंने कहा कि गौशालाएं न केवल बेसहारा पशुओं के संरक्षण का कार्य करती हैं, बल्कि समाज में सेवा और करुणा का संदेश भी देती हैं। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से अपील की कि वे अपनी क्षमता अनुसार गौसेवा में योगदान दें।

इस दौरान उपस्थित गौशाला पदाधिकारियों ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के सहयोग से गौशालाओं को मजबूती मिलेगी तथा गौवंश के संरक्षण के प्रयासों को नई दिशा प्राप्त होगी। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के सहयोग से ही इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर चलते रह सकते हैं।

जाम का जंजाल

## पार्किंग की कमी से सड़क किनारे खड़े हो रहे वाहन बढ़ा रहे परेशानी

# बाइपास पर ट्रैफिक बेपटरी: शहर की लाइफलाइन पर ही थम रही रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दिल्ली बाइपास इन दिनों शहर की लाइफलाइन कम और जाम का सबसे बड़ा हॉटस्पॉट बनता जा रहा है। अस्पताल, यूनिवर्सिटी, सर्किट हाउस, आईजी ऑफिस और होटलों जैसे प्रमुख केंद्रों के बीच स्थित यह मार्ग दिनभर भारी ट्रैफिक दबाव झेल रहा है। सुबह और शाम के पीक आवर्स में तो हालात और बिगड़ जाते हैं, जब कुछ ही दूरी तय करने में लोगों को 20-30 मिनट तक का समय लग जाता है।

सबसे बड़ी समस्या यहां पार्किंग की समुचित व्यवस्था का अभाव है, जिसके चलते लोग मजबूरी में सड़क किनारे वाहन खड़े कर देते हैं। इसके अलावा मोड़ों पर खड़ी टैक्सियां और बेतरतीब ऑटो ट्रैफिक की रफ्तार को और धीमा कर रहे हैं। नतीजा, जाम अब इस इलाके की पहचान बनता जा रहा है, जिससे आम लोगों, मरीजों और छात्रों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

### अस्पताल, यूनिवर्सिटी और होटलों की भीड़ से बढ़ रहा ट्रैफिक दबाव

हरिभूमि सरोकार

### हजारों लोग गुजरते हैं रोजाना

दिल्ली बाइपास पर हर रोज हजारों लोग गुजरते हैं। कोई इलाज के लिए अस्पताल पहुंचता है, तो कोई यूनिवर्सिटी के काम से आता-जाता है। सर्किट हाउस और आईजी ऑफिस में भी दिनभर अधिकारियों और आम लोगों की आवाजाही लगी रहती है। इसके अलावा, होटलों में होने वाले कार्यक्रमों और बाहर से आने वाले मेहमानों की भीड़ इस दबाव को कई गुना बढ़ा देती है। इतनी बड़ी संख्या में वाहनों के आने-जाने के बावजूद पार्किंग की समुचित व्यवस्था न होने के कारण लोग मजबूरी में सड़क किनारे ही वाहन खड़े कर देते हैं। नतीजा सड़क सिकुड़ जाती है और रफ्तार पर ब्रेक लग जाता है।

### बेतरतीब पार्किंग ने बिगाड़ा हाल

सबसे ज्यादा खराब स्थिति अस्पतालों और होटलों के बाहर देखने को मिलती है। यहां आने वाले लोग अपनी गाड़ियां सीधे सड़क पर खड़ी कर देते हैं। कई बार तो आधी सड़क तक वाहन खड़े रहते हैं, जिससे ट्रैफिक एक ही लेन में सिमट जाता है। मरीजों को लाने वाली गाड़ियां, ऑटो और निजी वाहन एक-दूसरे से उलझते रहते हैं। ऐसे में एम्बुलेंस तक को रास्ता निकालने में परेशानी होती है।

### टैक्सियां सबसे बड़ी अड़चन

जाम की एक और बड़ी वजह दिल्ली जाने वाली टैक्सियां हैं, जो बाइपास के मोड़ पर खड़ी रहती हैं। सवारियों के इंतजार में चालक अपनी गाड़ियां ऐसे स्थानों पर खड़ी कर देते हैं, जहां से ट्रैफिक का मूवमेंट सबसे ज्यादा होता है। कई बार यह स्थिति छोटे-छोटे जाम से बढ़कर बड़े जाम में तब्दील हो जाती है।

चारों तरफ मोड़ों पर खड़ी टैक्सियां भी बढ़ा रही जाम

**एंबुलेंस तक को नहीं मिल पाता रास्ता, मरीजों की बढ़ी परेशानी**

सर्किट हाउस और ऑफिसों में आवाजाही से भी बढ़ता है ट्रैफिक

### यह हो सकता है समाधान

- अस्पतालों और होटलों में पार्किंग की की सही व्यवस्था हो जाए तो जाम नहीं लगेगा।
- बाइपास के मोड़ पर खड़ी टैक्सियों को हटाया जाए।
- इन वाहनों के लिए अलग से स्टैंड बनाया जाए और सख्ती से नियमों का पालन हो।
- सर्किट हाउस और झज्जर रोड पर पार्किंग की व्यवस्था की जा सकती है।
- इन स्थानों पर मल्टीलेवल या ओपन पार्किंग बनाई जा सकती है।

### तंग आ चुके लोग

रोजाना जाम में फंसने वाले लोग अब इस स्थिति से तंग आ चुके हैं। उनका कहना है कि प्रशासन को इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। कई लोग तो अब इस रास्ते से बचने की कोशिश करते हैं, लेकिन विकल्प सीमित होने के कारण उन्हें मजबूरी में इसी मार्ग का इस्तेमाल करना पड़ता है।

## गांधी कैंप मार्केट में गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ चलाया अभियान

रोहतक। दुकानदारों को चालान देते नगर निगम की टीम। फोटो :हरिभूमि

- निगिम ने शुरू किया मार्केट ड्राइव, 11 के लिए चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर को स्वच्छ, सुंदर और अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम ने गांधी कैंप मार्केट में विशेष सफाई अभियान चलाया। निगम आयुक्त सचिन गुप्ता के निर्देशों पर चलाए गए इस मार्केट ड्राइव के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों और लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। टीम ने मौके पर निरीक्षण करते हुए गंदगी फैलाने, सड़क पर कूड़ा डालने, अतिक्रमण करने और सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वालों के चालान किए।

अभियान के दौरान कुल 11 चालान किए गए, जिनकी कुल राशि 5900 रुपये रही। इनमें से 10 चालान 4400 रुपये के गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ किए गए, जबकि एक चालान 1500 रुपये का सिंगल यूज प्लास्टिक बेचने वाले दुकानदार पर किया गया। निगम की टीम ने दुकानदारों को मौके पर ही चेतावनी देते हुए स्वच्छता बनाए रखने, निर्धारित स्थानों पर कूड़ा डालने और प्लास्टिक के उपयोग से बचने के लिए जागरूक भी किया।

### रोजाना कर रहे निरीक्षण

निगम आयुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि शहर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए इस प्रकार के अभियान लगातार जारी रहेंगे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे रोजाना अलग-अलग क्षेत्रों में निरीक्षण करें और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने शहर के दुकानदारों और आम नागरिकों से अपील की कि वे नगर निगम का सहयोग करें और शहर को साफ-सुथरा बनाए रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि यदि सभी लोग मिलकर प्रयास करें, तो रोहतक को स्वच्छ और व्यवस्थित शहर बनाया जा सकता है।

### दी चेतावनी

निगम आयुक्त ने चेतावनी दी कि जो संस्थान तय समय सीमा के भीतर अनुबंध नहीं करेंगे या नियमों का उल्लंघन करेंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बल्क वेस्ट जनरेटर्स से अपनी जिम्मेदारी समझने और कचरा इधर-उधर फेंकने के बजाय उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने की अपील की। नगर निगम की इस कार्रवाई से गांधी कैंप मार्केट में दुकानदारों के बीच हड़कंप मच गया। वहीं स्थानीय लोगों ने निगम की इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि इस तरह के अभियान से शहर में स्वच्छता व्यवस्था में सुधार होगा और अतिक्रमण की समस्या भी कम होगी।

# एमडीयू में क्लर्क को रिपोर्ट करेंगे चार असिस्टेंट, यूनियन में हलचल

- रीअप्वाइंटमेंट का विरोध करने वाला ही बना टारगेट
- कैंपस में फैसले पर चटखारेदार चर्चाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में मंगलवार को ऐसा प्रशासनिक ट्विस्ट आया कि पूरे कैंपस में चर्चा का तापमान बढ़ गया। एक आदेश ने न सिर्फ व्यवस्था को उलट-पुलट किया, बल्कि यूनियन की राजनीति में भी नई हलचल पैदा कर दी। मामला कुछ यूं है कि विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने आदेश जारी कर दिया कि अब एक क्लर्क को चार असिस्टेंट रिपोर्ट करेंगे। सुनने में यह व्यवस्था किसी ऑफिस की नहीं, बल्कि किसी प्रयोगशाला के अनोखे प्रयोग जैसी लगी। दिलचस्प बात यह है कि यह वही क्लर्क हैं, जो कुछ समय पहले सुपरिटेंडेंट के पद से सेवानिवृत्त हुए थे और फिर रीअप्वाइंटमेंट के जरिए क्लर्क के तौर पर वापसी कर चुके हैं। इस आदेश का सबसे बड़ा झटका गैर-शिक्षक कर्मचारी संघ के एक पूर्व पदाधिकारी को लगा। उन्हें कुछ दिन पहले ही जो चार्ज सौंपे गए थे, वे प्रशासनिक पेन की एक लाइन से वापस ले लिए गए।

### क्या यह सिर्फ प्रशासनिक फैसला

इस पूरे घटनाक्रम ने विश्वविद्यालय की राजनीति में एक दिलचस्प मोड़ ला दिया है। लोग इसे एक अधिकारी का मास्टरस्ट्रोक' बता रहे हैं, तो कुछ इसे नियम-कायदों की आड़ में खेला गया चालाकी भरा दांव मान रहे हैं। हालांकि, आदेश जारी करने वाले अधिकारी ने नियमों का हवाला देकर फैसले को पूरी तरह वैध बताया है। लेकिन कैंपस की चाय की दुकानों से लेकर दफ्तरों के कॉरिडोर तक एक ही सवाल गूंज रहा है कि क्या यह सिर्फ प्रशासनिक फैसला है या फिर पुराने हिसाब-किताब बराबर करने का तरीका। फिलहाल, एमडीयू में फाइलों से ज्यादा चर्चा इस क्लर्क राज की है, जहां कुर्सियां ही नहीं, समीकरण भी तेजी से बदल जाते हैं।

## जाट संस्था के प्रधान ने विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया

**रोहतक।** जाट शिक्षण संस्था के प्रधान गुलाब सिंह दिमाना ने मैनेजमेंट एवं कालेजियम सदस्यों के साथ संस्था में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। कार्यों में और तेजी लाने और कार्य में पारदर्शिता लाने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि संस्था में कई अहम निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं तथा कुछ पर कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि किसानों के मसीहा चौधरी छोटूराम के जाट स्कूल में बनाए गए समाधि स्थल का भव्य निर्माण कार्य प्रगति पर है। समाधि स्थल पर लगी छोटू राम की प्रतिमा भी बड़ी की जाएगी साथ ही वहां पर एक बड़ा और सुंदर भव्य डोम बनाया जा रहा है। इस डोम में उस पहाड़ का पत्थर लगाया जा रहा है जो की अयोध्या में बने श्री राम मंदिर में लगाया गया है। उन्होंने बताया कि संस्था में क्रिकेट ग्राउंड का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर की शूटिंग रेंज भी तैयार की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त जाट कॉलेज के खेल मैदान को राष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए निर्माण कार्य जारी है।

याद बहुत आते हैं वो दिन...

## पानी डालकर जगाते थे पिता लठ लेकर कराते थे तैयारी

*मर्चेंट नेवी से रिटायर्ड रामचंद्र आज भी जब बचपन को याद करते हैं तो होठों पर मुस्कान और आंखों में भावुकता नजर आती है। वे बताते हैं कि बचपन सिर्फ यादों का हिस्सा नहीं, बल्कि जीवन की वह पाठशाला है, जिसने अनुशासन, मेहनत और जिम्मेदारी का असली मतलब सिखाया।*

मर्चेंट नेवी से रिटायर्ड रामचंद्र जब अपने बचपन को याद करते हैं तो चेहरे पर हल्की सी मुस्कान व आंखों में भावुकता दोनों साथ नजर आती हैं। रामचंद्र बताते हैं कि उनके पिता बेहद सख्त स्वभाव के थे, लेकिन उस सख्ती के पीछे एक गहरा प्यार और भविष्य की चिंता छिपी रहती थी। जब मैं सुबह देर तक सोता रहता था, तो पिता मुझे उठाने के लिए सीधे मेरे ऊपर पानी डाल देते थे। उस समय गुस्सा भी आता था, लेकिन आज समझ आता है कि वे मुझे समय की कीमत सिखा रहे थे, वे याद करते हुए कहते हैं कि सिर्फ सुबह उठाने तक ही बात खत्म नहीं होती थी। अगर मैं पढ़ाई में ढिलाई करता, तो पिता लठ लेकर मेरे पीछे दौड़ते थे। उस समय डर लगता था, लेकिन वही डर मुझे सही रास्ते पर बनाए रखता था। उन्होंने हंसते हुए बताया कि उनके जीवन की दिशा तय करने में उनके पिता के इन कठोर तरीकों की सबसे बड़ी भूमिका रही है।

रामचंद्र

### बच्चों को भी अनुशासन और मेहनत का महत्व समझाया

रामचंद्र ने बताया कि पिता ने मुझे सिखाया कि बिना मेहनत के कुछ हासिल नहीं होता, वे कहते हैं। जब रामचंद्र खुद पिता बने, तो उन्होंने भी अपने बच्चों को वही सीख देने की कोशिश की। मैंने अपने बच्चों को भी अनुशासन और मेहनत का महत्व समझाया। आज वे सरकारी नौकरी में हैं, तो मुझे लगता है कि यह मेरे पिता के आशीर्वाद का ही फल है। उनकी यह कहानी सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस पीढ़ी की झलक है, जहां पिता की सख्ती को ही सफलता की सीढ़ी माना जाता था। आज भले ही तरीके बदल गए हों, लेकिन उनके अनुभव यह बताते हैं कि मजबूत संस्कार व अनुशासन ही सही दिशा देते हैं।

### बच्चों को बनाया कामयाब

रोहतक निवासी रमेश कुमार की जिंदगी संघर्ष, मेहनत और संतोष की मिसाल है। वे बताते हैं कि उन्होंने पूरी उम्र खेती करके अपने बच्चों को पढ़ाया-लिखाया। सुबह खेतों में पसीना बहाना और शाम को परिवार की जिम्मेदारियां निभाना यही उनकी दिनचर्या रही। कई बार मुश्किलें भी आईं, लेकिन बच्चों की पढ़ाई कभी नहीं रुकने दी। रमेश कुमार कहते हैं, मेरे पास ज्यादा साधन नहीं थे, लेकिन एक सपना जरूर था कि मेरे बच्चे पढ़-लिखकर कुछ बनें। उसी के लिए दिन-रात मेहनत की। उनकी इसी मेहनत और लगन का नतीजा है कि आज उनके बच्चे सरकारी नौकरी में हैं और परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हो चुका है। अब रमेश कुमार अपने जीवन के उस दौर में हैं, जहां जिम्मेदारियों का बोझ कम और खुशियों का समय ज्यादा है। वे मुस्कुराते हुए कहते हैं, आज सबसे ज्यादा खुशी तब मिलती है जब मैं अपने पोतों और पोतियों के साथ समय बिताता हूं, उनके साथ खेलता हूं और उनकी हंसी सुनता हूं। उनकी कहानी बताती है कि सच्ची मेहनत और धैर्य का फल देर से ही सही, लेकिन जरूर मिलता है।

### पिता की सख्ती से मिली कामयाबी

पवन कुमार, जो शिक्षा विभाग से रिटायर्ड हैं, आज अपने जीवन के शांत और संतोष भरे दौर का आनंद ले रहे हैं। वे बताते हैं कि आज जो सुकून और बेफिक्री उन्हें मिली है, उसके पीछे उनके पिता की कड़ी मेहनत और त्याग छिपा है। पवन कुमार याद करते हैं कि बचपन में उनके पिता ने उन्हें पढ़ाने-लिखाने के लिए दिन-रात एक कर दिया। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने कभी बेटे की पढ़ाई में कमी नहीं आने दी। "पिता खुद मेहनत करते थे, लेकिन हमें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते रहे," वे कहते हैं। उनकी इसी मेहनत और मार्गदर्शन का परिणाम रहा कि पवन कुमार ने शिक्षा विभाग में नौकरी हासिल की और ईमानदारी से अपनी सेवाएं दीं। अब सेवानिवृत्ति के बाद वे अपने समय को अपने तरीके से जी रहे हैं। वे मुस्कुराते हुए कहते हैं, आज मैं जो भी सुकून भरी जिंदगी जी रहा हूं, वह सब मेरे पिता की मेहनत का ही फल है। अब समय मिलता है तो दोस्तों से मिलना, घूमना-फिरना और परिवार के साथ वक्त बिताना ही सबसे बड़ी खुशी है। उनकी कहानी यह साबित करती है कि माता-पिता की मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती।

## सुपवा में कला प्रदर्शनी 'अभिव्यंजना' का आगाज 3 को

**रोहतक।** दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीएसपुवा) में कला प्रेमियों के लिए प्रदर्शनी अभिव्यंजना का आगाज 3 मई को होगा। यूनिवर्सिटी के चांसलर व प्रदेश के राज्यपाल प्रो असीम कुमार घोष अभिव्यंजना का उद्घाटन करेंगे। यह प्रदर्शनी स्कूल-कॉलेज के छात्रों, कला प्रेमियों व आम लोगों के लिए 5 मई को अवलोकन के लिए ओपन की जाएगी, जो 8 मई तक जारी रहेगी। एफसी विनय कुमार ने बताया कि अभिव्यंजना सुपवा के फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स की सालाना कला प्रदर्शनी है। इसमें विजुअल आर्ट्स के स्नातक व स्नातकोत्तर के प्रथम वर्ष से अंतिम वर्ष तक के छात्र अपनी साल भर में तैयार की गई कलाकृतियों को प्रदर्शित करेंगे। रजिस्ट्रार डॉ गुंजन मलिक मनोचा ने बताया कि 'अभिव्यंजना' में छात्रों द्वारा पूरे वर्ष के दौरान तैयार किए गए आर्ट वर्क को एक साथ प्रदर्शित किया जाएगा। यह प्रदर्शनी न केवल उनके अभ्यास और सीखने की प्रक्रिया को दिखाएगी, बल्कि कला के माध्यम से उनके विचारों और अभिव्यक्ति को भी सामने लाएगी।

## छात्रों को डिजिटल फ्रॉड व सुरक्षित निवेश के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजकीय महिला महाविद्यालय लाखन माजरा में मंगलवार को आईक्यूएसी प्रकोष्ठ के तत्वावधान में तथा वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त प्रयास से रीजनल इन्वेस्टर सेमिनार फॉर अवेयरनेस (आरआईएसए) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या इंदु सपरा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूनम चंद, इन्वेस्टर सर्विसेज सेंटर, बीएसई (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज), नई दिल्ली रहे।

मुख्य वक्ता ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों एवं स्टाफ को वित्तीय साक्षरता, सुरक्षित निवेश के उपायों तथा डिजिटल फ्रॉड्स से बचाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सिक्योरिटीज मार्केट, म्यूचुअल फंड, डिपॉजिटरी सिस्टम तथा निवेशकों की शिकायत निवारण प्रणाली पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान समय में बढ़ते साइबर फ्रॉड एवं सोशल मीडिया के दुरुपयोग से सावधान रहने के उपाय बताए।

उन्होंने बताया कि आज के डिजिटल युग में फिशिंग कॉल, फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने तथा नकली निवेश योजनाओं के माध्यम से ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सचेत करते हुए कहा कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और अपनी बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करें। उन्होंने यह भी सलाह दी कि निवेश केवल अधिकृत एवं सेबी-पंजीकृत संस्थानों के माध्यम से ही करें तथा सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक जानकारी से सावधान रहें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

| साईज | संस्करण | विशेष छूट राशि |
|---|---|---|
| 5 X 8 सें.मी<br>10X 8 सें.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 2500/-<br>रु. 3000/- |

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

## प्रशासन के अनुसार, क्षेत्र के सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहलुओं को समेटे हुए हैं पांडुलिपियां

# अब 75 साल पुरानी पांडुलिपि बनेंगी डिजिटल विरासत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

समय की धूल में दबती जा रही ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संजोने के लिए जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। जिले में संरक्षित लगभग 75 वर्ष पुरानी पांडुलिपि को अब डिजिटल फॉर्म में तैयार किया जाएगा। यह कदम न केवल स्थानीय इतिहास को सुरक्षित रखने की दिशा में अहम साबित होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान का एक सुलभ और स्थायी स्रोत भी बनेगा। प्रशासन के अनुसार, पांडुलिपि क्षेत्र के सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहलुओं को समेटे हुए है।

अलग खबर

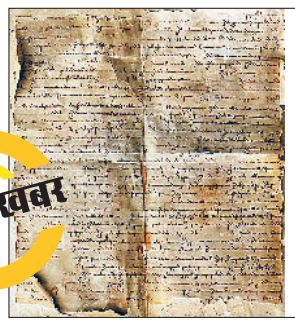

- इतिहास व परंपरा की झलक
- सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की दिशा में कदम
- उन्नत तकनीक से होगा डिजिटलीकरण
- ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध करवाने की भी योजना

इसमें पुराने समय की जीवनशैली, परंपराएं, लोक मान्यताएं और प्रशासनिक ढांचे से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दर्ज हैं। वर्षों से यह दस्तावेज कागजों में सीमित था, जिससे इसके नष्ट होने का खतरा लगातार बना हुआ था। अब इसे स्कैन कर डिजिटल आर्काइव के रूप में सुरक्षित किया जाएगा। प्रशासन ने तय किया है कि पांडुलिपि अप्रकाशित होनी चाहिए। किसी भी व्यक्ति के पास पांडुलिपि है तो इसकी सूचना डीसी कार्यालय को दे सकता है। इसके बाद जब ये तय हो जाएगा कि पांडुलिपि अप्रकाशित है तो उसे डिजिटलकरण किया जाएगा, जबकि पांडुलिपि की मूल कॉपी संबंधित व्यक्ति के पास ही रहेगी। डिजिटलीकरण की इस प्रक्रिया में उच्च गुणवत्ता वाले स्कैनर और विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाएगा, ताकि पांडुलिपि की मूल संरचना, लेखन शैली और सूक्ष्म विवरण पूरी तरह सुरक्षित रह सकें। इसके साथ ही, टेक्स्ट को डिजिटल रूप में ट्रांसक्राइब भी किया जाएगा, जिससे शोधकर्ताओं और आम पाठकों के लिए इसे पढ़ना आसान हो जाएगा। धरोहरों को लेकर काम करने वालों का मानना है कि इस तरह की पहलें स्थानीय इतिहास को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

### डिजिटल पहल से सजीव इतिहास

डिजिटल पांडुलिपि को भविष्य में एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी उपलब्ध कराने की योजना है। इससे देश-विदेश के शोधकर्ता, विद्यार्थी और इतिहास में रुचि रखने वाले लोग आसानी से इस सामग्री तक पहुंच सकेंगे। यह कदम 'डिजिटल इंडिया' मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप भी है, जहां परंपरा और तकनीक का संगम देखने को मिलता है। नागरिकों और इतिहास प्रेमियों ने भी इस पहल का स्वागत किया है। उनका मानना है कि इससे रोहतक की सांस्कृतिक पहचान को मजबूती मिलेगी और युवाओं में अपने अतीत को जानने की रुचि बढ़ेगी। साथ ही, यह अन्य जिलों के लिए भी एक उदाहरण बन सकता है, जहां इसी तरह की पुरानी पांडुलिपियां आज भी उपेक्षित पड़ी हैं। प्रशासन की यह पहल केवल एक दस्तावेज को डिजिटल रूप देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अतीत और भविष्य के बीच एक मजबूत सेतु बनाने का प्रयास है। जहां इतिहास केवल किताबों में नहीं, बल्कि एक क्लिक की दूरी पर जीवंत रूप में मौजूद होगा।

### कॉलेज प्रबंधनों से मांगी थी जानकारी

कॉलेजों की लाइब्रेरी में पांडुलिपि नहीं मिली है। इस बारे में कॉलेज प्रबंधनों से जानकारी मांगी गई थी। रिपोर्ट निल है। **-डॉ. परमभूषण आर्य,** प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय सांपला एवं नोडल अफसर पांडुलिपि प्रभारी